109 सूरह काफिरून. (मजामीन)

खुलासा मज़ामीने कुरान उर्दू किताब. मौलाना मलिक अब्दुर्रउफ.

नोट.- ये PDF कोई भाषा या व्याकरण नही हे,
बल्कि दीन-ए-इस्लाम को समझने के लिये हे.

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहिम.

» कुफ्र और इस्लाम मे कोई समझोता नही.

दीन-ए-हक एक मुकम्मल कायदा और तरीका हे, कुफ्र और इस्लाम मे एकता संभव (पॉसिबल) नही.

काफिरो से साफ केह दिया गया हे तौहीद और शिर्क मे आपस मे कोई समझौता और मेल मिलाप नही हो सकता. हक पर चलने वालो का रास्ता अलग हे और कुफ्र-व-शिर्क पर चलने वालो का रास्ता अलग हे, तुम कभी ये उम्मीद ना रखो कि हम तुम्हारे झूठे माबूदो की इबादत करेगे और ना हमे ये उम्मीद हे कि तुम सिर्फ एक अल्लाह की इबादत करोगे, हुज़ूरﷺ की ज़बान से केहेलवा दिया गया कि आप उन्को केह दे- तुम्हे तुम्हारा दीन मुबारक हो और मे अपने दीन पर कायम हु, और मे तुम्हारे साथ कोई सौदेबाज़ी नही कर सकता.